देश के 91 प्रमुख जलाशयों के जलस्तर में दो प्रतिशत की वृद्धि

5 जुलाई, 2018 को समाप्त सप्ताह के दौरान देश के 91 प्रमुख जलाशयों में 32.847 बीसीएम (अरब घन मीटर) जल संग्रह हुआ। यह इन जलाशयों की कुल संग्रहण क्षमता का 20 प्रतिशत है। 28 जून, 2018 को समाप्त सप्ताह में जल संग्रह 18 प्रतिशत के स्तर पर था। 5 जुलाई, 2018 को समाप्त सप्ताह में यह संग्रहण पिछले वर्ष की इसी अवधि के कुल संग्रहण का 100 प्रतिशत तथा पिछले दस वर्षों के औसत जल संग्रहण का 96 प्रतिशत है। इन 91 जलाशयों की कुल संग्रहण क्षमता 161.993 बीसीएम है, जो समग्र रूप से देश की अनुमानित कुल जल संग्रहण क्षमता 257.812 बीसीएम का लगभग 63 प्रतिशत है। इन 91 जलाशयों में से 37 जलाशय ऐसे हैं जो 60 मेगावाट से अधिक की स्थापित क्षमता के साथ पनबिजली लाभ देते हैं। उत्तरी क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश, पंजाब तथा राजस्थान आते हैं। इस क्षेत्र में 18.01 बीसीएम की कुल संग्रहण क्षमता वाले छह जलाशय हैं, जो केन्द्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की निगरानी में हैं। इन जलाशयों में कुल उपलब्ध संग्रहण 3.00 बीसीएम है, जो इन जलाशयों की कुल संग्रहण क्षमता का 17 प्रतिशत है। पिछले वर्ष की इसी अवधि में इन जलाशयों की संग्रहण स्थिति 30 प्रतिशत थी। पिछले दस वर्षों का औसत संग्रहण इसी अवधि में इन जलाशयों की कुल संग्रहण क्षमता का 31 प्रतिशत था। इस तरह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में चालू वर्ष में संग्रहण कम है और यह पिछले दस वर्षों की इसी अवधि के दौरान रहे औसत संग्रहण से भी कम है।

पूर्वी क्षेत्र में झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल एवं त्रिपुरा आते हैं। इस क्षेत्र में 18.83 बीसीएम की कुल संग्रहण क्षमता वाले 15 जलाशय हैं, जो सीडब्ल्यूसी की निगरानी में हैं। इन जलाशयों में कुल उपलब्ध संग्रहण 3.17 बीसीएम है, जो इन जलाशयों की कुल संग्रहण क्षमता का 17 प्रतिशत है। पिछले वर्ष की इसी अवधि में इन जलाशयों की संग्रहण स्थिति 17 प्रतिशत थी। पिछले दस वर्षों का औसत संग्रहण इसी अवधि में इन जलाशयों की कुल संग्रहण क्षमता का 18 प्रतिशत था। इस तरह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में चालू वर्ष में संग्रहण समान है और यह पिछले दस वर्षों की इसी अवधि के दौरान रहे औसत संग्रहण से भी कम है। पश्चिमी क्षेत्र में गुजरात तथा महाराष्ट्र आते हैं। इस क्षेत्र में 31.26 बीसीएम की कुल संग्रहण क्षमता वाले 27 जलाशय हैं, जो सीडब्ल्यूसी की निगरानी में हैं। इन जलाशयों में कुल उपलब्ध संग्रहण 4.48 बीसीएम है, जो इन जलाशयों की कुल संग्रहण क्षमता का 14 प्रतिशत है। पिछले वर्ष की इसी अवधि में इन जलाशयों की संग्रहण स्थिति 21 प्रतिशत थी। पिछले दस वर्षों का औसत संग्रहण इसी अवधि में इन जलाशयों की कुल संग्रहण क्षमता का 19 प्रतिशत था। इस तरह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में चालू वर्ष में संग्रहण कम है और यह पिछले दस वर्षों की इसी अवधि के दौरान रहे औसत संग्रहण से भी कम है। मध्य क्षेत्र में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश तथा छत्तीसगढ़ आते हैं। इस क्षेत्र में 42.30 बीसीएम की कुल संग्रहण क्षमता वाले 12 जलाशय हैं, जो सीडब्ल्यूसी की निगरानी में हैं। इन जलाशयों में कुल उपलब्ध संग्रहण 9.13 बीसीएम है, जो इन जलाशयों की कुल संग्रहण क्षमता का 22 प्रतिशत है। पिछले वर्ष की इसी अवधि में इन जलाशयों की संग्रहण स्थिति 26 प्रतिशत थी। पिछले दस वर्षों का औसत संग्रहण इसी अवधि में इन जलाशयों की कुल संग्रहण क्षमता का 20 प्रतिशत था। इस तरह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में चालू वर्ष में संग्रहण कम है लेकिन यह पिछले दस वर्षों की इसी अवधि के दौरान रहे औसत संग्रहण से बेहतर है। दक्षिणी क्षेत्र में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना एपी एवं टीजी (दोनों राज्यों में दो संयुक्त परियोजनाएं), कर्नाटक, केरल एवं तमिलनाडु आते हैं। इस क्षेत्र में 51.59 बीसीएम की कुल संग्रहण क्षमता वाले 31 जलाशय हैं, जो सीडब्ल्यूसी की निगरानी में हैं। इन जलाशयों में कुल उपलब्ध संग्रहण 13.08 बीसीएम है, जो इन जलाशयों की कुल संग्रहण क्षमता का 25 प्रतिशत है। पिछले वर्ष की इसी अवधि में इन जलाशयों की संग्रहण स्थिति 12 प्रतिशत थी। पिछले दस वर्षों का औसत संग्रहण इसी अवधि में इन जलाशयों की कुल संग्रहण क्षमता का 21 प्रतिशत था। इस तरह चालू वर्ष की इसी अवधि में संग्रहण पिछले वर्ष की इसी अवधि में हुए संग्रहण से बेहतर है और यह पिछले दस वर्षों की इसी अवधि के दौरान औसत संग्रहण से भी बेहतर है।

पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में जिन राज्यों में जल संग्रहण बेहतर है उनमें राजस्थान, झारखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, उत्तराखंड, एपी एवं टीजी (दोनों राज्यों में दो संयुक्त परियोजनाएं), आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु शामिल हैं। इसी अवधि के लिए पिछले वर्ष की तुलना में कम संग्रहण करने वाले राज्यों में हिमाचल प्रदेश, पंजाब, ओडिशा, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना शामिल हैं।

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष श्री अश्वनी लोहानी ने पश्चिम रेलवे में रतलाम संभाग के ट्रैकमैन श्री बलवंत को सम्मानित किया

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष श्री अश्वनी लोहानी ने आज रेल भवन में पश्चिम रेलवे में रतलाम संभाग के ट्रैकमैन श्री बलवंत को सम्मानित किया। श्री बलवंत ने रतलाम संभाग में थांडला–बजरंग गढ़ स्टेशन पर पुल के गिरते रोड़ा को देखकर एक गंभीर दुर्घटना को टाल दिया था। उनका मनोबल बढ़ाने और उनकी प्रशंसा के तौर पर उन्हें एक प्रशस्ति पत्र और 5000 रुपये का नकदी पुरस्कार दिया गया। श्री बलवंत और उनके परिवार को फर्स्ट क्लास एसी यात्रा पास और नई दिल्ली में ठहरने के लिए एसी आवास दिया गया।

पहली जुलाई, 2018 की शाम लगभग 7 बजे श्री बलवंत अपनी ड्यूटी पूरी कर अपने मुख्यालय लौट रहे थे। उन्होंने थांडला और बजरंग गढ़ स्टेशनों के बीच पुल संख्या 178 (18.3 मीटर लंबा) के रोड़े गिरते देखा। उन्होंने बड़ी सूझ-बूझ दिखाते हुए तत्काल रेल की पटरियों को भारी क्षति से बचा लिया और फिर अपने वरिष्ठ इंजीनियर सीनियर सेक्शन इंजीनियर/पाथवे को इस बारे में बताया।

इस पर प्राथमिकता के आधार पर पुल को पहले जैसा बनाने के लिए जरूरी कदम उठाए गए। इस प्रकार श्री बलवंत की सतर्कता और मुस्तैदी से एक गंभीर दुर्घटना टल गई।

ज्ञान और सशक्तिकरण के माध्यम से समाज में परिवर्तन लाने के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण साधन - उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू ने कहा है कि ज्ञान और सशक्तिकरण के माध्यम से समाज में परिवर्तन लाने के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण साधन है। पोर्टब्लेयर में आज डॉ. बी. आर. अम्बेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान में उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि तेजी से बदलती ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली में बदलाव की आवश्यकता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि वास्तविक शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जिससे छात्रों का सर्वांगीण विकास हो सकें। शिक्षा में अकादमिक योग्यता और स्वरोजगार के लिए कौशल को समान महत्व दिया जाना चाहिए।

21वीं शताब्दी की ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की चुनौतियों से निपटने के लिए, शिक्षा प्रदान करने के तरीकों, पाठ्यक्रमों तथा ज्ञान प्राप्ति की प्रक्रियाओं में बदलाव की जरूरत है। उन्होंने कहा कि केजी से लेकर पीजी तक की शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन की आवश्यकता है। केवल शैक्षणिक प्रमाण-पत्र पर ही नहीं, बल्कि छात्र के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया जाना चाहिए।

उच्च शिक्षा संस्थानों से उत्तीर्ण होने वाले छात्रों में सद्भावना, सहानुभूति और शिक्षकों व उम्र में बड़े लोगों के लिए आदर होना चाहिए। उनमें विद्वता के साथ-साथ तकनीकी कौशल तथा ईमानदारी और नैतिक मूल्य भी होना चाहिए।

अविवा ने पेश किया अलिशा, एआई और मशीन लर्निंग से सशक्त संवादी कम्प्यूटिंग समाधान

भारत की शीर्ष निजी बीमा कम्पनियों में से एक अविवा लाइफ इंश्योरेंस ने फ्रइन्ड एबिलिटी साइंस जो कि एक संज्ञानात्मक और एआई समाधान कंपनी है और इसका मुख्यालय बोस्टन, अमेरिका है, के साथ मिल कर कन्वर्जनल कम्प्यूटिंग सॉल्यूशन (चैटबॉट) अलिशा लांच करने की घोषणा की है।

अलिशा आईबीएम वाटसन के कन्वर्जन एपीआई द्वारा संचालित है और किसी भी जगह, किसी भी समय सार्थक बीमा मार्गदर्शन प्रदान करने के अवीवा के उद्देश्य को पूरा करता है। अलिशा ग्राहकों को उपयुक्त जीवन बीमा योजनाओं और समाधानों का चयन करने में मदद करने के लिए एक गाइड के रूप में कार्य करता है। चैटबोट, अलिशा - अविवा लाइफइंश्योरेंस सेल्फहेल्प असिस्टेंट इंडिया के पहले कुछ एनएलपी (प्राकृतिक भाषा प्रोसेसर) पावर्ड वार्तालाप कंप्यूटिंग समाधानों में से एक हैं। यह ग्राहकों के सवालों की व्याख्या करने और ग्राहकों की सहायता करने के लिए बातचीत के प्रवाह को निर्देशित करने में सक्षम है, बातचीत प्राकृतिक मानव भाषा में बातचीत और प्रतिक्रिया व्यक्त करने में सक्षम है। अलिशा अवीवा लाइफ इंश्योरेंस के मौजूदा और संभावित ग्राहकों को विभिन्न बीमा पॉलिसियों के बारे में जानकारी तक आसानी से पहुंचने की अनुमति देता है और 24x7 उनके प्रश्नों के त्वरित उत्तर एवं प्रतिक्रिया देता है। (13-5)

शेल्बी अस्पताल ने लीवर के दो सफल ऑपरेशन किये

अहमदाबाद : देशभर में मल्टी स्पेशयालिटी होस्पिटल का संचालन करने वाली शेल्बी होस्पिटल ने अपने एस.जी. रोड अहमदाबाद के युनिट में जरूरतमंद लोगों का लीवर ट्रांसप्लान्ट कर उनकी जान बचायी जा सके इसके लिए सेन्टर फॉर लीवर डीसीज एन्ड ट्रांसप्लान्टेशन स्थापित किये होने का ऐलान किया। अस्पताल अब मृत दाता, जीवंत डोनर तथा वयस्क एवं बच्चों की इमरजेन्सी स्थिति में तमाम प्रकार के लीवर ट्रांसप्लान्ट की सुविधा रखता है।

शेल्बी की कुशल टीम ने हाल ही में सूरत के 80 वर्ष उम्र के सर्वाधिक वृद्ध ब्रेइन डेड व्यक्ति के लीवर का ट्रांसप्लान्टेशन किया है। यह लीवर ग्रीन कोरिडोर द्वारा सूरत से अहमदाबाद लाया गया। जिसके कारण अहमदाबाद में रहते लीवर की गंभीर हालत वाले मरीज को जीवन दान मिला है। दूसरी तरफ उदेपुर के कल्याणसिंह का इस सेन्टर में लीवर दाता का लीवर ट्रांसप्लान्ट किया गया है।

इस सर्जरी की अगुवाई डॉ. आनंद के खखर और डॉ. विनय कुमारन तथा डॉ. भाविन वसावडा एवं डॉ. हार्दिक पटेल सहित की टीम द्वारा किया गया। (19-1)

हार्दिक, अल्पेश और जिग्नेश की शराब के अड्डे पर जनता छापेमारी

अहमदाबाद, सोला में गत दिन पैदा हुए लट्ठाकांड बाद तीन युवा नेता ऐसे विधायक हार्दिक पटेल, अल्पेश ठाकोर और जिग्नेश मेवाणी ने गांधीनगर में गुरुवार को स्थानीय निवासियों को साथ में रखकर जनता छापेमारी की गई थी। यह तीन युवा नेताओं ने गांधीनगर में खुद डीएसपी ऑफिस के पास चल रहे शराब के अड्डे पर जनता छापेमारी करके शराब का जत्था पकड़ा गया था। तीनों युवा नेताओं की गांधीनगर में जनता छापेमारी को लेकर गुजरात की राजनीति में हलचल तेज हो गई तो दूसरी तरफ डीएसपी जनता छापेमारी के दौरान शराब नहीं मिलने का बचाव करते हुए दिखाई दिए। भाजपा सरकार के विरुद्ध रहे तीन युवा नेताओं की तरफ से अब 7 जुलाई को अहमदाबाद में विभिन्न क्षेत्र में चल रहा शराब के अड्डे पर जनता छापेमारी करने की चेतावनी दी थी। जिसे लेकर पुलिस प्रशासन अभी से ही सक्रिय हो गया है।

तीन युवा नेता विधायक हार्दिक, अल्पेश और जिग्नेश की गांधीनगर में की गई जनता छापेमारी की वजह से राज्य सरकार और पुलिस की पोल का पर्दाफाश हो गया और पुलिस की दया पर चल रहे शराब के अड्डा का भी पर्दाफाश होने पर सनसनी मच गई थी। गत दिन अहमदाबाद शहर में सोला क्षेत्र में देशी शराब पीने के बाद चार व्यक्तियों की हालत बिगड़ गई थी, जिसे लेकर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां दो व्यक्ति की हालत तो अभी गंभीर होने की जानकारी मिल रही है।

भांडु मोटी दाउ स्टेशन पर सिग्नलिंग कार्य होने से 6 से 9 जुलाई तक कुछ ट्रेनें रद्द रहेंगी

पश्चिम रेलवे अहमदाबाद मण्डल पर अहमदाबाद-पालनपुर रेलखण्ड के भांडु मोटी दाउ स्टेशन पर डेडिकेटेड फ्रेट कारीडोर के लिए यूटिलिटी शिफ्टिंग कार्य के तहत इलेक्ट्रानिक इंटरलाकिंग कमिशनिंग किया जा रहा है। इस कारण इस रेल खण्ड की कुछ ट्रेनें निम्नानुसार निरस्त रहेंगी। दिनांक 07 जुलाई (शनिवार) की ट्रेन संख्या 79437 महेसाणा-आबूरोड डेमू पैसेंजर निरस्त रहेगी। दिनांक 07, 08 व 09 जुलाई की 79438 आबूरोड - महेसाणा डेमू पैसेंजर निरस्त रहेगी। दिनांक 08 जुलाई की 79431 अहमदाबाद-महेसाणा 79437 महेसाणा-आबूरोड,19411 अहमदाबाद-अजमेर तथा 19412 अजमेर- अहमदाबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस रद्द रहेगी। दिनांक 09 जुलाई की 79432 महेसाणा-अहमदाबाद डेमू पैसेंजर निरस्त रहेगी।

& TV की हानिकारक जोड़ी नजर आई नये स्टाइलिश लुक में

दर्शकों ने अक्सर ही & TV के शो 'मेरी हानिकारक बीवी' की हानिकारक जोड़ी को साधारण होने के बावजूद रंगीले भारतीय परिधानों में पारंपरिक लुक को बड़ी ही खूबसूरती से संभालते हुए देखा है। डॉक्टर और एक हानिकारक बीवी की भूमिका को बखूबी निभाते हुए जिया शंकर उर्फइरा ने अपनी फैशनेबल साड़ियों के साथ अपने लुक की भव्यता को बनाये रखा है। वह करण के ट्रेंडी और स्टाइलिश कुर्तों के साथ काफी अच्छे से तालमेल बिठा रही हैं, जिन्हें एक साधारण और मासूम अखिलेश पाण्डेय के रूप में जाना जाता है।

अपने स्टाइल को और बेहतर बनाते हुए और अपने लुक की खूबसूरती को बरकरार रखते हुए, यह प्यारी जोड़ी जल्द ही इस शो में अपने किरदारों को एक स्टाइलिश और क्लासी लुक देने वाली है। अपने रोजमर्रा वाली साड़ी को छोड़कर, जिया शंकर मलेशिया में शूटिंग के दौरान, मिडनाइट ब्लू, ऑफ-शोल्डर गाउन में नजर आई। हमेशा की तरह ही छैल-छबीले और आकर्षक नजर आने वाले करण ब्लैक सूट और नीट बो टाई पहनकर उनके साथ खड़े थे। (19-8)

सुशासन और विकास पर नए तरीके से फोकस-राजनाथ सिंह

केंद्रीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने जम्मू एवं कश्मीर की अपनी दो दिन की यात्रा के दौरान आज श्रीनगर में एक उच्चस्तरीय बैठक में राज्य में सुरक्षा की स्थिति और विकास की समीक्षा की। इस बैठक में राज्य के राज्यपाल श्री एन एन वोहरा, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री अजीत डोभाल, केंद्रीय गृह सचिव श्री राजीव गाबा तथा गृह मंत्रालय और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

केंद्रीय गृह मंत्री ने उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और सुशासन लाने के सभी उपायों के प्रति सरकार के संकल्प को दोहराया। श्री सिंह ने कहा कि सुशासन और विकास पर नए सिरे से फोकस करने के साथ केंद्र राज्य के लोगों में नई आकांक्षा और आशा की किरण के प्रति आशान्वित हैं। श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जम्मू और कश्मीर के साधारण जन के लिए विकास और सुशासन अछूता रहा है। समस्याओं का समाधान लोगों को सशक्त बनाकर और स्थानीय स्वशासन संस्थानों को मजबूत बनाकर किया जा सकता है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि राज्य में शांति और सामान्य स्थिति होने पर जम्मू और कश्मीर के विकास और समृद्धि का सपना साकार होगा। उन्होंने कहा कि राज्य की समस्याओं के समाधान के लिए ईमानदार, कारगर और सक्षम प्रशासन के माध्यम से शांति, स्थिरता और समृद्धि लाने का सरकार का दृढ़ संकल्प है।

गांधीधाम-तिरूनेलवेली साप्ताहिक हमसफर एक्सप्रेस का शुभारंभ

माननीय रेल मंत्री श्री पीयूष गोयल की पहल पर स्थानीय निवासियों की मांग व उनकी सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 19424/19423 गांधीधाम-तिरुनेलवेली साप्ताहिक हमसफर एक्सप्रेस का शुभारंभ आज गांधीधाम रेलवे स्टेशन पर आयोजित गरिमापूर्ण समारोह में माननीय रेल राज्य मंत्री श्री राजेन गोहाँई द्वारा नई ट्रेन को प्रस्थान संकेत देकर किया गया। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में उन्होंने बताया कि भारतीय रेल ने विगत चार वर्षों में काफी तरक्की की है तथा नई ट्रेनों को प्रारंभ किया गया है। श्री गोहाँई ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा एवं संरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इसीके परिणाम स्वरूप दुर्घटनाओं का ग्राफ तेजी से नीचे गिरा है। कार्यक्रम में स्थानीय माननीय सांसद श्री विनोद चावडा तथा माननीया विधायक श्रीमती मालतीबेन के. महेश्वरी ने भी सम्बोधित किया।

उल्लेखनीय है की यह नई साप्ताहिक हमसफर एक्सप्रेस पश्चिम रेलवे की पांचवी तथा गुजरात की दूसरी हमसफर ट्रेन है जो पश्चिमी प्रदेश गुजरात को दक्षिण के केरल प्रांत से जोडती है। यह ट्रेन 4541 किमी का सफर लगभग 45 घंटो में पूरा करेगी तथा मार्ग में 13 स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन के सभी कोच हमसफर श्रेणी के थर्ड एसी कोच है जो अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है।

माननीय रेल राज्य मंत्री श्री गोहाँई ने पत्रकारों से भी चर्चा की एवं उनकी मांगो पर गंभीरता पूर्वक विचार करने का आश्वासन भी दिया। उन्हो ने गांधीधाम रेलवे स्टेशन परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम में भी भाग लिया।

समारोह के प्रारंभ में पश्चिम रेलवे के अपर महा प्रबंधक श्री राहुल जैन ने सभी गणमान्य अतिथियों का पुष्प से स्वागत किया तथा स्वागत उद्बोधन दिया। मण्डल रेल प्रबंधक, अहमदाबाद श्री दिनेश कुमार ने कार्यक्रम में पधारे सभी सम्माननीय अतिथि गणों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन पश्चिम रेलवे, मुख्यालय चर्चगेट के वरिष्ठ जन सम्पर्क अधिकारी श्री गजानन महतपुरकर ने किया।

कल्याण ज्वेलर्स ने 7 जुलाई से वार्षिक सेल की घोषणा की

देश के सबसे विश्वसनीय एवं प्रमुख ज्वेलरी ब्रांड्स में से एक, कल्याण ज्वेलर्स ने बहुप्रतीक्षित कल्याण वार्षिक सेल के जरिए अपने ग्राहकों के लिए आकर्षक ऑफर्स की घोषणा की है। ग्राहकगण 7 जुलाई से 17 जुलाई के बीच भारत में कल्याण ज्वेलर्स की किसी भी आउटलेट में जा सकते हैं और ब्रांड द्वारा तैयार किये गये विभिन्न ऑफर्स का अधिकाधिक लाभ उठा सकते हैं।

विश्वास एवं पारदर्शिता के एक ब्रांड के रूप में, कल्याण आभूषण के कद्रदानों की आवश्यकता को समझता है, जो ऐसे गहने चाहते हैं जो शुद्धता, डिजाइन एवं गुणवत्ता की दृष्टि से उच्च मानकों वाला हो। इसलिए, 11-दिवसीय वार्षिक सेल के दौरान, कल्याण ज्वेलर्स अपने सभी खरीदारों को पुराने सोने के एक्सचेंज पर 100 प्रतिशत मूल्य प्रदान कर रहा है।

शादी-विवाह का मौसम बस आने ही वाला है, ऐसे में कल्याण यह भी समझता है कि हर दुल्हन अपने सर्वश्रेष्ठ रूप में दिखना चाहती है। सगाई और विवाह के उत्सवों को ध्यान में रखते हुए, कल्याण ज्वेलर्स 50 ग्राम से अधिक के आभूषण की खरीद पर मूल्यवर्द्धित शुल्क (मेकिंग चार्ज पर) पर 25 प्रतिशत की छूट दे रहा है।

भारत में आभूषणों की खरीद को व्यापक रूप से शुभ माना जाता है। इसलिए, 25,000 रु. मूल्य के जड़े हुए गहनों की हर खरीद पर, ग्राहकों को सोने का सिक्का निःशुल्क रूप में भी मिल सकेगा। यही नहीं, 50,000 रु. से अधिक के गहनों की खरीदारी करने वाले ग्राहक स्क्रैच ऐंड विन कॉन्टेस्ट में भाग भी ले सकेंगे, और इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर घरेलू उपकरणों एवं वीयरेबल टेक्नोलॉजी जैसे आकर्षक उपहार भी प्राप्त कर सकेंगे। (1)

मुथूट पप्पचन ग्रुप ने नई ब्रांड पहचान का खुलासा किया

वित्तीय सेवा उद्योग में एक विविधतापूर्ण समूह मुथूट पप्पचन ग्रुप (एमपीजी) ने आज अपनी नई कॉरपोरेट पहचान का खुलासा किया। यह परिवर्तन आज से चार साल पहले आए इसके 'विलीव इन ब्लू' नामक ब्रांड दर्शन से भी आगे बढ़कर समूह के अंदर अपनाई जा रही परिवर्तन की रणनीति के मद्देनजर किया गया है। यह नई ब्रांडिंग कंपनी के उत्कृष्टता, सहयोग और ईमानदारी जैसे अपरिवर्तनीय मूल्यों को प्रदर्शित करती है जो इसके हितधारकों, खासकर इसके ग्राहकों का विश्वास हासिल करने और बनाए रखने पर केंद्रित हैं। नए उद्यमों और नई सेवाओं अथवा उत्पादों के माध्यम से विकास के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता पर और अधिक बल देते हुए ये मूल्य आम आदमी की सेवा और उसकी आवश्यकताओं को पूरा करने पर समूह के निरंतर फोकस को दर्शाते हैं। इस परिवर्तन के हिस्से के रूप में, समूह ने इस ग्राहक वर्ग की जीवनशैली की आवश्यकताओं को पूरा करके मानवीय महत्वाकांक्षाओं के सशक्तिकरण पर केंद्रित अपनी पेशकशों के बारे में व्यापक जागरूकता का प्रसार करने के उद्देश्य से विद्या बालन को अपना ब्रांड एंबेसडर भी बनाया है।

मुथूट पप्पचन ग्रुप का सबसे बेहतर ग्राहक आम आदमी है जो, विपरीत परिस्थितियों के बावजूद निरंतर बड़े सपने देखता है और जीवन की चुनौतियों से उभरकर बाहर आता है। समूह का मानना है कि यह अदम्य भावना ही देश के भविष्य को प्रेरित और परिभाषित करेगी। इसलिए नया अभियान 'ब्लू सोच' को समर्पित है जो विपरीत परिस्थितियों में भी दृढ़ आत्म विश्वास के साथ-साथ परिश्रम और दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करने वाले इस तरह के ग्राहकों की प्रगतिशील सोच का प्रतीक है। नए ब्रांड दर्शन - 'ब्लू इज बिलीफ' में यह आत्मविश्वास भी जीवंत हो उठाता है। (13-5)

कैट के नए अध्यक्ष जस्टिस रेड्डी ने डॉ जितेंद्र सिंह से मुलाकात की

केंद्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल (कैट) के नए अध्यक्ष जस्टिस एल नरसिम्हा रेड्डी ने आज यहां पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पीएमओ, कार्मिक लोक शिकायत एवं पेंशन, परमाणु ऊर्जा एवं अंतरिक्ष राज्यमंत्री डॉक्टर जितेंद्र सिंह से मिले और कैट के कामकाज से लेकर ट्रिब्यूनल में मौजूदा खाली पड़े पदों पर नियुक्ति जैसे कई मुद्दों पर चर्चा की। डॉ जितेंद्र सिंह ने उम्मीद जताई कि जस्टिस नरसिम्हा रेड्डी अपने विशाल अनुभव और प्रतिबद्धता से कैट के कामकाज और उसकी क्षमता को और मजबूत करने में सफल होंगे। उन्होंने बताया कि जस्टिस रेड्डी को हैदराबाद हाईकोर्ट में बतौर न्यायाधीश काम करने का लंबा अनुभव है और वे पटना हाईकोर्ट में भी अपनी सेवा दे चुके हैं। कैट को भारत सरकार का एक अहम हिस्सा बताते हुए डॉ जितेंद्र सिंह ने बताया कि इसका गठन 1985 में किया गया था और इसकी स्थापना के पीछे भारत सरकार में काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को अपनी शिकायतों और विवादों को लेकर अपनी समस्याएं दर्ज कराना और उन्हें अदालतों का चक्कर लगाए बिना समाधान दिलाना मुख्य उद्देश्य था। उन्होंने कहा कि सरकार कैट में देशभर में खाली पड़े पदों को तुरंत भरने की जरूरत के प्रति सचेत है और इसके लिए उचित प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह से मुलाकात के बाद जस्टिस नरसिम्हा रेड्डी ने बताया कि वे कैट के लंबित मामलों को सुलटाना उनकी प्राथमिकता होगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई–निविदा सूचना
मंडल रेल प्रबन्धक उत्तर पश्चिम रेलवे, बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्य के लिए दिनांक 10.08.2018 को 15.00 बजे तक खुली ई–निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा संख्या : E-87 कार्य का नाम व स्थान :** सहायक मंडल इंजीनियर/सम्पदा, बीकानेर के लिए टाटा सूमो या अन्य समरूप एक वाहन किराये पर लेना (21 माह के लिए) **अनुमानित लागत मूल्य :** रू. 558956.37 **धरोहर राशि :** रू. 11180/– **निविदा संख्या : E-88 कार्य का नाम व स्थान :** सहायक मंडल इंजीनियर/ लाईन, उ.प. रेलवे, बीकानेर के अधीन कोलायत–फलोदी खण्ड में (कि.मी. 46.0 से 149.60 तक (103.60 कि.मी.) फ्लश बट वेल्डिंग द्वारा ए. वेल्डिंग रिप्लूस का कार्य करना। **अनुमानित लागत मूल्य :** रू. 134844148.50 **धरोहर राशि :** रू. 824230/– **नोट :** अन्य शर्तें रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है।
734-PA/18
रेलगाड़ी की छत या पायदान पर बैठकर यात्रा न करें।